भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 462
बुधवार, 22 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

वर्षा की कमी

462. श्री बाबू सिंह कुशवाहा:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार देश के कई हिस्सों में पिछले वर्ष की तुलना में मानसून सीजन 2026 के दौरान बारिश की कमी दर्ज की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या बारिश की कमी से कृषि उत्पादन, जल संसाधन, पेयजल उपलब्धता और भूजल स्तर प्रभावित हुआ है और यदि हां, तो इस संबंध में सरकार के आकलन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या असमान वर्षा के कारण कुछ राज्यों में सूखे ओर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य और जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत करने , जल संरक्षण को बढ़ावा देने और सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष राहत तथा दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने के लिए किसी नई योजना को लागू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) 'दीर्घ अवधि औसत' (LPA) के आधार पर रोज़ाना, साप्ताहिक और मौसमी बारिश की निगरानी करता है। 2026 में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की बारिश, मौसम के शुरुआती हफ़्तों में देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम रही है। हालाँकि, बारिश हर जगह और हर हफ़्ते अलग-अलग होती है, और कुछ इलाकों में सामान्य या सामान्य से ज़्यादा बारिश हुई है। 14 जुलाई 2026 तक, देश में सामान्य से 21% कम बारिश हुई; दक्षिण-पश्चिम मॉनसून में प्राकृतिक बदलावों के कारण कई मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों में कम बारिश दर्ज की गई, जबकि अन्य जगहों पर सामान्य या ज़रूरत से ज़्यादा बारिश हुई।

(ख) खेती, जल संसाधनों, पेय जल और भूजल पर बारिश के प्रभाव का आकलन संबंधित मंत्रालयों और राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। फिलहाल, अनाज के उत्पादन पर देशव्यापी असर का कोई संकेत नहीं है।

(ग) भारत में मॉनसून की बारिश में स्वाभाविक रूप से जगह और समय के हिसाब से बदलाव होता रहता है, जिसके कारण अलग-अलग इलाकों में बारिश की कमी या ज़रूरत से ज़्यादा बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) लगातार बारिश के वितरण पर नज़र रखता है और मौसम का पूर्वानुमान व चेतावनी जारी करता है, ताकि प्रशासनिक अधिकारी आवश्यक कदम उठा सकें। सूखा या बाढ़ की स्थिति का आकलन और घोषणा करना संबंधित राज्य सरकारों की ज़िम्मेदारी है, जो कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय के साथ मिलकर यह काम करती हैं।

(घ) सरकार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम 'मिशन मौसम' के ज़रिए मौसम का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता को मज़बूत कर रही है। इस मिशन का उद्देश्य मौसम से जुड़ी जानकारी जुटाने के तरीकों को बेहतर बनाना, मौसम से जुड़ी अलग-अलग भौतिक प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझना और ऐसे एडवांस्ड न्यूमेरिकल मॉडल विकसित करना है जिनमें इन प्रक्रियाओं को शामिल किया गया हो, ताकि मौसम का सटीक पूर्वानुमान लगाने की क्षमता बढ़ाई जा सके।

****